पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/2021-23 प्रकाशित 01.05.2023 इस अंक का मूल्य 2 रूपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-*110007*, चलभाष : 9810117464, 9868051444

जम्मू आर्य युवक शिविर

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद जम्मू
कश्मीर के तत्वावधान में
विशाल आर्य युवक
चरित्र निर्माण शिविर
सोमवार 12 जून से रविवार
18 जून 2023 तक आर्य समाज
जानीपूर कालोनी, जम्मू में
इच्छुक संपर्क करें–
सुभाष बब्बर, प्रांतीय अध्यक्ष, मो. 09419301915

वर्ष-39 अंक-23 बैसाख-2080 दयानन्दाब्द 200 01 मई से 15 मई 2023 (प्रथम अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 01.05.2023, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक सौल्लास सम्पन्न

आर्य समाज ने समलैंगिकता मुद्दे पर कड़ा विरोध जताया

समलैंगिकता भारतीय संस्कृति पर प्रहार है – राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

रविवार, 30 अप्रैल 2023 को केंद्रीय आर्य युवक परिषद नई दिल्ली की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक एवं अंतरंग सभा मुख्यालय आर्य समाज कबीर बस्ती पुरानी सब्जी मंडी दिल्ली में सोल्लस संपन्न हुई।बैठक में समलैंगिकता के मुद्दे पर वा ग्रीष्म कालीन चरित्र निर्माण शिविरों की तैयारी पर विचार किया गया। केंद्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि समलैंगिकता भारतीय संस्कृति पर सीधा प्रहार है,सुप्रीम कोर्ट को चाहिए कि इस मुद्दे पर सुनवाई तत्काल बंद करे,उन्होंने कहा कि लड़का लड़के से,लड़की लड़की से विवाह करना प्रकृति के सिद्धांत के विरुद्ध है।गृहस्थ आश्रम की अपनी मर्यादा है जब संतान ही उत्पन्न नहीं होगी तो सामाजिक असमानता बढ़ेगी, मानसिक अवसाद पैदा होगा, तलाक के मुद्दे को नए सिरे से जन्म देगी।संपत्ति का वारिस कौन होगा यह भी प्रश्न खड़ा हो जाएगा।इसके लिए हिंदू धर्म गुरुओं ,चिकित्सकों,शिक्षा विदों और वैज्ञानिकों की समिति बना कर राय लेनी चाहिए।अतः समस्त आर्य समाज एवं केंद्रीय आर्य युवक परिषद् सर्वोच्च न्यायालय से अनुरोध करता है कि समलैंगिकता के मुद्दे की सुनवाई तुरंत बंद करे

(शेष पृष्ठ 2 पर)

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में

159 वां पं. गुरुदत्त विद्यार्थी जन्मोत्सव धूमधाम से सम्पन्न

पं.गुरुदत्त विद्यार्थी महर्षि दयानन्द के प्रथम संदेश वाहक रहे –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

बुधवार, 26 अप्रैल 2023, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में वेदों के प्रकांड विद्वान प. गुरुदत्त विद्यार्थी के 159 वें जन्मोत्सव पर आर्य समाज पुराना गांधी नगर, गाजियाबाद में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ आचार्य गवेंद्र शास्त्री के ब्रह्मत्व में यज्ञ से हुआ। मुख्य यज्ञमान शिल्पा गर्ग एवं सुभाष गर्ग रहे। समारोह का उद्घाटन देवेन्द्र आर्य 'आर्य बंधु' ने ओम ध्वज फहराकर किया। केंद्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष व सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के उपप्रधान अनिल आर्य ने कहा कि पंडित गुरुदत्त विद्यार्थी एक युवा दार्शनिक विद्वान् थे जिन्होंने छबीस वर्ष की अल्पायु में ही अनेक भाषाओं व विषयों का समयक ज्ञान प्राप्त कर लिया था,उसे देख कर बड़े–बड़े विद्वान चकित रह जाते थे।

(शेष पृष्ठ 4 पर)

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् द्वारा कोरोना काल में भी 530वां वेबिनार सम्पन्न

'वृद्धावस्था की समस्याएं और निदान' पर गोष्ठी सम्पन्न

बुढ़ा नहीं अपितु वरिष्ठ नागरिक समझें—डॉ. सुषमा आर्या

शुक्रवार 21 अप्रैल 2023, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान वृद्धावस्था की समस्याएं और निदान विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह करोना काल से 528 वाँ वेबिनार था। आयुर्वेदाचार्या डॉ. सुषमा आर्या ने कहा कि वृद्धावस्था में अपने आप को बुढ़ा नहीं अपितु वरिष्ठ नागरिक समझना चाहिए। साथ ही घर में रहते हुए अपने अधिकार छोड़ कर मस्ती का जीवन यापन करना चाहिए तभी जीवन का आनंद ले पाओगे।उन्होंने कहा कि जीवन की चार अवस्थाएं होती है बचपन, जवानी, प्रौढ़ावस्था वृद्धावस्था जो अनेक समस्याएं लेकर आती है शरीर के शिथिल होने के कारण जीवन शक्ति कम हो जाती हैं रक्तचाप बिगड़ने लगता है।आंखों में मोतियाबिंद, हाइपरटेंशन,कम सुनाई देना, शुगर,हृदय रोग,कब्ज की व तनाव की समस्या,एकाकीपन, खाने—पीने का स्वाद खराब हो जाना और निमोनिया आदि समस्याएं सताने लगती हैं इसके लिए व्यक्ति को मन से इस अवस्था को स्वीकार करने के लिए तैयार रहना चाहिए योग— प्राणायाम,स्वाध्याय मन को मस्तिष्क को मजबूत बनाते हैं जिससे हम रोगों से बचे रह सकते हैं मखाने,अलसी,कलौंजी ,खजूर, अंजीर इत्यादि शरीर को ताकत देने के काम आते हैं,पानी पीते रहना धनिया,छोटी इलायची का सेवन करने से समस्याओं से बचा जा सकता है दूध के साथ इसबगोल लेना चाहिए इसी के साथ बादाम इलायची और मिश्री अगर मिला लेते हैं तो इससे ताकत बड़ती है सलाद,हरी सब्जियां,पपीता,नारियल पानी सात रंगों की सब्जियां मुलेठी आदि का सेवन शरीर को रोगों से बचाए रखता है गहरी सांस लेना,सैर करना भजन सुनना, संगीत सुनना परेशानियों को कम कर देता है। मुख्य अतिथि डॉ. रचना चावला व अध्यक्ष चन्द्र कांता गेरा (कानपुर) ने भी जीवन को प्रसन्न व खुशहाल बनाने के सुझाव दिये। केंद्रीय आर्य युवक परिषद के अध्यक्ष अनिल आर्य ने संचालन करते हुए वृद्धावस्था को अभिशाप नहीं वरदान बताया ए राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने धन्यवाद ज्ञापन किया। गायिका प्रवीना ठक्कर, कमला हँस, नीलम गुप्ता, सुनीता अरोड़ा, विजय खुल्लर, रचना वर्मा, रजनी चुग, रजनी गर्ग, जनक अरोड़ा, कृष्णा गांधी, कुसुम भंडारी आदि के मधुर भजन हुए।

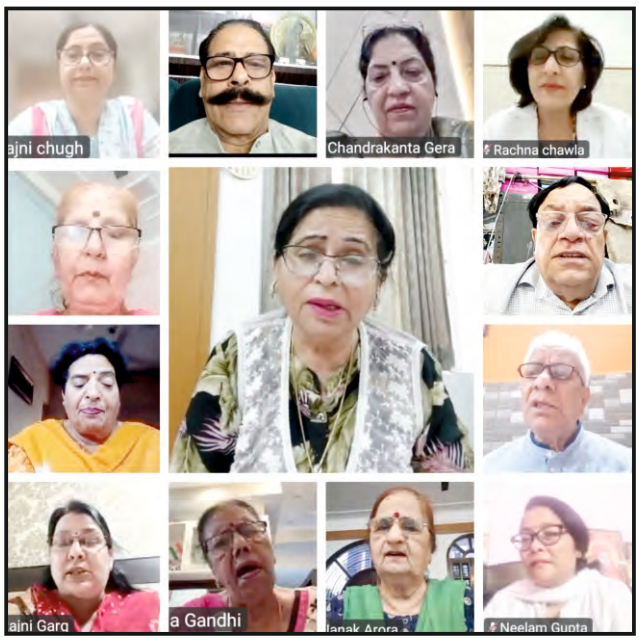

'युवा और वैदिक विचारधारा' विषय पर गोष्ठी सम्पन्न

अंग्रेज़ी व प्रान्तीय भाषाओं में वेद प्रचार किया जाये —अतुल सहगल

सोमवार 17 अप्रैल 2023, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद की तत्वावधान में 'युवा और वैदिक विचारधारा' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कोरोना काल से 527वाँ वेबिनार था। वैदिक प्रवक्ता अतुल सहगल ने भूमिका के रूप में — युवा वर्ग की महत्ता की चर्चा की और यह कहा कि युवा वर्ग ही समाज और राष्ट्र को गतिशील बनाता है। उन्होंने सबसे पहले युवा वर्ग की परिभाषा प्रस्तुत की व भारत को युवा देश बताया क्योंकि इसमें 35.6 करोड़ युवा वर्ग के लोग बसते हैं। युवा वर्ग की भूमिका और दायित्व सबसे बड़े और महत्वपूर्ण हैं। युवा वर्ग के लक्षणों की विस्तार से चर्चा की और बताया कि किस प्रकार युवा वर्ग सनातन परंपरा से परे हटता जा रहा है।इस बात पर ज़ोर दिया कि युवा वर्ग कुछ अच्छे और कुछ बुरे लक्षण दर्शा रहा है। युवा वर्ग उन्मुक्त होता दिखाई पड़ता है। युवा वर्ग में तर्क और युक्ति पर आधारित व्यवहार बढ़ा है और यह प्रसन्नता की बात है। पर युवा वर्ग वरिष्ठ लोगों का सम्मान वैसे नहीं करता जैसे पहले करता था, उनको तार्किक बुद्धि से परखने का प्रयास करता है।युवा वर्ग पारम्परिक धर्म—पंथ से उदासीन होता जा रहा है और बड़ी दुर्भाग्यपूर्ण बात है कि इसका कुछ अंश नास्तिक हो रहा है। इसपर वामपंथ हावी है। इसके बाद वक्ता ने वैदिक विचारधारा के लक्षणों और मूल्यों की बात कही। वैदिक धर्म सर्वकालिक और शाश्वत है।यह नित्य है इसलिए परिवर्तनशील नहीं है। इस विचारधारा के लगभग सभी बिंदु वक्ता ने सामने रखे और विषय के सन्दर्भ में उनकी संक्षिप्त व्याख्या की। अंत में वक्ता ने इस बात की विस्तार से चर्चा की कि किस प्रकार युवा वर्ग को वैदिक विचारधारा से जोड़ा जाए। इसके लिए वक्ता ने चार महत्वपूर्ण बिंदु प्रस्तुत किये और इस बात को प्रकट किया कि किस प्रकार से यह बिंदु व्यवहारिक और कारगर हैं। यह कार्य आर्य समाज का है और हमें इसको करने के लिए अपनी कमर कसनी होगी। संस्कारीकरण को सबसे महत्वपूर्ण कदम बताते हुए, शिक्षा पद्धति और प्रणाली के परिवर्तन पर ज़ोर दिया। अंग्रेजी और प्रांतीय भाषाओं में वैदिक प्रचार की बात पुनः रखी। मुख्य अतिथि डॉ. गजराज सिंह आर्य व अध्यक्ष श्रीकृष्ण दहिया ने भी युवाओं मे संस्कार विकसित करने पर ज़ोर दिया। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के अध्यक्ष अनिल आर्य ने संस्कार निर्माण के लिए शिविरों के आयोजन करने का आह्वान किया। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने धन्यवाद ज्ञापन किया। गायिका प्रवीना ठक्कर, रविन्द्र गुप्ता, कौशल्या अरोड़ा, जनक अरोड़ा, रजनी चुग, रजनी गर्ग ईश्वर देवी, कमलेश चांदना, सुनीता अरोड़ा, विजय खुल्लर आदि के मधुर भजन हुए।

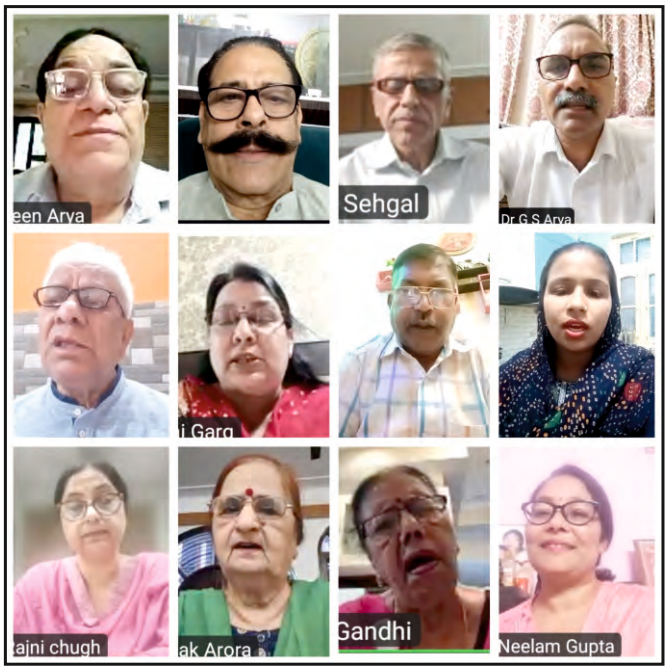

(पृष्ठ 1 का शेष)

और नए विवादों का जन्म ना होने दे। केंद्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने बताया कि आगामी ग्रीष्म कालीन अवकाश में 3 जून से 11 जून तक 2023 तक एमिटी इंटरनेशनल स्कूल सेक्टर 44 नोएडा में डा अशोक कुमार चौहान के सानिध्य में विशाल आर्य युवक चरित्र व व्यक्तिव निर्माण शिविर आयोजित किया जा रहा है। परिषद् के वरिष्ठ मंत्री देवेंद्र भगत ने कहा कि समलैंगिकता एक सामाजिक अपराध है,आर्य समाज इसके विरुद्ध जनजागरण अभियान चलाएगा। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष यशोवीर आर्य ने बताया कि वैदिक तपोवन आश्रम देहरादून में 10 मई से 14 मई 2023 को सैकड़ों लोग भाग लेने हेतु जाएंगे। आर्य गायक नरेश आर्य,सोनिया संजू,राम देव आर्य के मधुर भजन हुए। इस अवसर पर ओम सपड़ा,नेत्र पाल आर्य,मानवेंद्र शास्त्री,रवि राणा,गोपाल आर्य,धर्म पाल आर्य,यज्ञ वीर चौहान,अशोक जांगड़ आदि ने अपने विचार रखे।

युवा निर्माण से होगा राष्ट्र निर्माण ।। ओ३म् ।। चरित्र बचेगा तो देश बचेगा

शिक्षाविद् डॉ. अमिता चौहान व डॉ. अशोक कु. चौहान के सानिध्य में

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् का राष्ट्रीय शिविर

शनिवार 3 जून से रविवार 11 जून 2023 तक

बलमुपास्व

विशाल आर्य युवक चरित्र व व्यक्तित्व विकास शिविर

स्थान : ऐमिटी इंटरनेशनल स्कूल, सैक्टर–44, नोएडा

उद्घाटन समारोह शनिवार 3 जून, शाम 5 बजे से 7 बजे तक ✸ **भव्य समापन समारोह** रविवार 11 जून, प्रातः 11 से 1:00 बजे तक

नयी पीढ़ी को मातृ–पितृ भक्त, ईश्वर भक्त एवं देशभक्त बनाने का संकल्प

राष्ट्रीय भावना, अनुशासित जीवन, नैतिक शिक्षा तथा युवा पीढ़ी को महर्षि दयानन्द जी की विचारधारा से ओतप्रोत करने तथा शारीरिक व बौद्धिक रूप से सक्षम बनाने तथा उच्चकोटि के व्यायामाचार्यों द्वारा योगासन, ध्यान, प्राणायाम, दण्ड–बैठक, लाठी, जूडो–कराटे, बाक्सिंग, स्तूप आदि आत्मरक्षा सम्बन्धी शिक्षण के साथ–साथ वैदिक विद्वानों द्वारा सन्ध्या, यज्ञ, आर्य संस्कृति व वैदिक सिद्धान्तों पर चर्चा, भाषण कला, नेतृत्व कला व आत्मविश्वास के विकास हेतु शिविर का आयोजन। अपने बच्चों को संस्कारित करने के लिए शिविर में अवश्य भेजें।

योग साधना शिविर: इसके साथ ही चलेगा जिसमें महिला–पुरूष दोनों भाग ले सकेंगें–शुल्क 500/– रूपये

आवश्यक नियम व निर्देश :– (1) इच्छुक नवयुवक 250 रू० प्रवेश शुल्क सहित प्रवेश पत्र भरकर **अंतिम तिथि** 21 मई 23 तक अपना स्थान सुरक्षित करवा लें। (2) सभी शिविरार्थी 3 जून को दोपहर 1 बजे तक शिविर स्थल पर रिपोर्ट करें (3) पूर्ण वेशभूषा–सफेद टी शर्ट, सफेद सैण्डो बनियान, सफेद निक्कर, सफेद जुराब, सफेद कपड़े के जूते, कान तक की लाठी, टार्च, सन्ध्या यज्ञ की पुस्तक, कापी, पैन, कुर्ता पायजामा व ऋतु अनुकूल बिस्तर भी साथ लायें। (4) आवश्यक बर्तन थाली, कटोरी, मग, गिलास आदि भी साथ लायें (5) आयु 12 वर्ष से 18 वर्ष तक के युवक शिविर में भाग ले सकते हैं। (6) अनुशासन व दैनिक दिनचर्या प्रातः 4 बजे से रात्री 10 बजे तक का पालन करना अनिवार्य होगा। (7) आराम पसन्द बच्चे कृपया न आयें। (8) परिषद् की ओर से भोजन व आवास प्रबन्ध निःशुल्क रहेगा।

बौद्धिक प्रमुख: सर्वश्री डॉ. जयेन्द्र आचार्य, डॉ. सुषमा आर्या, विजय भूषण आर्य,गवेन्द्र शास्त्री, विमलेश बंसल, भानुप्रकाश शास्त्री

शिक्षक गण: सर्वश्री शंकरदेव आर्य, योगेन्द्र शास्त्री,सौरभ गुप्ता, विरेन्द्र आर्य, विकास शर्मा, नसीब सिंह, मानवेन्द्र शास्त्री

प्रबन्धकगण : कै. रोहित कपूर, पिंकी आर्या, यज्ञवीर चौहान, कै. अशोक गुलाटी, कमल आर्य, माधवसिंह आर्य, गौरव झा, कृष्ण लाल राणा, देवेन्द्र गुप्ता, संतोष शास्त्री, विरेश आर्य, दिनेश आर्य, अजेन्द्र शास्त्री, विवेक अग्निहोत्री, त्रिलोक आर्य

दानी महानुभावों की सेवा में अपील

आप जानते ही हैं कि इस विशाल रचनात्मक आयोजन में नौ दिन तक तीन समय के प्रातः राश तथा भोजन प्रबन्ध पर हजारों रूपये व्यय हो जाता है जो कि आपके स्नेह व सहयोग से ही पूरा होना है। अतः आपसे अनुरोध है कि राष्ट्र निर्माण के इस यज्ञ को सफल बनाने के लिए आप अपनी ओर से, अपनी आर्य समाज या मित्रों की ओर से अधिक से अधिक सहयोग करवाने की कृपा करें। कृपया समस्त क्रास चैक/ड्राफ्ट **''केन्द्रीय आर्य युवक परिषद्, दिल्ली''** के नाम से भिजवाने की कृपा करें। आप ऋषि लंगर के लिए आटा, दाल, चावल, शुद्ध घी, रिफाइण्ड, मसाले, पाउडर दूध, सब्जी, दलिया के रूप में भी सामान भिजवाकर सहयोग कर सकते हैं। हमें पूरा विश्वास है कि आप अपनी ओर से तथा अपने इष्ट मित्रों से भी अधिक से अधिक सहायता राशि भिजवाने की कृपा करेंगे ।

स्वागत समिति : सर्वश्री अजय चौहान, सुशील सलवान, डॉ. डी.के. गर्ग, जितेन्द्र नरूला, मायाप्रकाश त्यागी, डॉ. आर.के. आर्य, वीरेन्द्र महाजन, जितेन्द्र डावर धर्मपाल कुकरेजा, रविदेव गुप्ता, माता शीला ग्रोवर, रामकृष्ण तनेजा, ओम सपरा, चौ. लाजपतराय आर्य, के.एल. पुरी, अरूण बंसल, अमीरचन्द रखेजा, ब्रजेश गुप्ता, अशोक सरदाना प्रेम सचदेवा, के.एल. वर्मा, मदनलाल आर्य, प्रवीन तायल, प्रदीप गोयल, अनिल मित्रा, राजू कोहली, डॉ. मुकेश आर्य, वेद खट्टर, रवि चड्डा, लक्ष्मी चन्द गुप्ता, सुरेन्द्र शास्त्री, सुरेन्द्र गुप्ता, सत्यानंद आर्य, कै. रूद्र सैन सिंधु, अमर सिंह सहरावत, कपिल कुमार राय, संजीव महाजन, सुमित चौधरी, करुणा–तिलक चांदना, डॉ. रचना चावला सुनीता बुग्गा, राकेश चोपड़ा, भारतभूषण साहनी, संजीव सिक्का, नरेन्द्र सुमन, रीता जयहिन्द, रमेश छाबड़ा, अशोक जेठी, एच.आर. साहनी, नरेन्द्र कालरा कस्तूरीलाल मक्कड़ डालेश त्यागी, ज्योति ओबराय, पुष्पलता वर्मा, अंजू जावा, सहदेव नांगिया, सत्यवीर चौधरी, वीरेश भाटी, विजेन्द्र सिंह आर्य, चन्द्रमोहन कपूर, प्रि. अंजु महरोत्रा, अरूण अग्रवाल, हिमांशु शेखर, राजेश मेहन्दीरत्ता, आर.पी. सूरी, के.के. यादव, सुरेश आर्य, सुशीला गम्भीर, धर्मपाल परमार, महेन्द्र मनचन्दा, अरविन्द आर्य, बलदेव गुप्ता, सी.ए. हंसराज चुघ, विपिन मित्तल, वेद प्रकाश आर्य, वेदप्रकाश आर्य, सीमा भाटिया, रजनी गर्ग, ओमप्रकाश आर्य, डॉ. विपिन खेड़ा, सुरेन्द्र मानकटाला

निवेदक

अनिल आर्य राष्ट्रीय अध्यक्ष

आनन्द चौहान शिविर संरक्षक

ठाकुर विक्रम सिंह

मे.जन. आर.के.एस. भाटिया

यशोवीर आर्य राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

देवेन्द्र भगत राष्ट्रीय मंत्री

आनन्द प्रकाश आर्य राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

राम कुमार सिंह प्रान्तीय संचालक

दुर्गेश व सुरेश आर्य राष्ट्रीय मंत्री

ब्रि. मुक्तिकांत महापात्रा

मधु भसीन

गायत्री मीना स्वागताध्यक्ष

महेन्द्र भाई राष्ट्रीय महामंत्री

राजीव कुमार परम

योगराज अरोड़ा

रामलुभाया महाजन स्वागताध्यक्ष

धर्मपाल आर्य राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष

अरुण आर्य शिविर प्रबन्धक

प्रवीण आर्य, विकास गोगिया प्रचार मंत्री

कार्यालयः आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली–110007, फोन : 9810117464, 9958889970, 9818530543, 9971467978

Website : www.aryayuvakparishad.com • Email : aryayouth@gmail.com

शिक्षा और संस्कार समाज का आधार- डॉ. योगानंद शास्त्री (पूर्व अध्यक्ष दिल्ली विधानसभा)

गुप्त जी का जीवन समाज को समर्पित रहा –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

रविवार 23 अप्रैल 2023, स्वामी विवेकानंद बाल भारती एजूकेशन व चेरीटेबल सोसाइटी के तत्वावधान में आशु कवि, साहित्यकार, लेखक विजय गुप्त जी की 78 वीं जयंती पर स्मृति दिवस का आयोजन आर्य समाज साकेत नई दिल्ली में किया गया। मुख्य अतिथि दिल्ली विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष डॉ. योगानंद शास्त्री ने कहा कि विजय गुप्त ने अपना पूरा जीवन पिछड़े निर्धन बच्चों कि सेवा में संस्कार व शिक्षा देने के लिए न्यौछावर कर दिया।वह देखते ही देखते कविता लिख देते थे।उन्होंने कोरोना काल में अपने विधालय की 6 मास की पूरी फीस माफ कर दी,अभावों में रहकर भी वह सदेव कर्तव्य पथ पर डटे रहे।उनका जीवन एक आदर्श जीवन था जो प्रेरणा देता रहेगा। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा है की वह मिलनसार व्यक्तित्व के धनी थे उनकी मधुर मुस्कान किसी को भी एक बार में ही अपना बना लेती थी।कविता पाठ के लिए देशभर में उनका भ्रमण चलता रहता था। अध्यक्षता करते हुए आर्य रविदेव गुप्ता ने कहा कि विजय गुप्त अद्भूत व्यक्ति थे षहिंद कि चादर गुरू तेगबहादुर ष उनकी विशेष रचना पड़ने योग्य है।कार्यक्रम का कुशल संचालन ऋचा गुप्ता ने करते हुए अपनी स्मृतियों को साँझा किया और आँखें नम कर दीं। प्रमुख रूप से सुनीता गुप्ता, राजेश मेंदीरता, अंजू मेहरोत्रा, चतर सिंह नागर, रविन्द्र आर्य, हरिचन्द आर्य ,सुरेन्द्र तलवार, प्रकाशवीर शास्त्री,संध्या बजाज, कृष्ण लाल राणा, अंकुर आर्य, शैलेश आर्य, विजय सबरवाल, उषा चांदना ,गीता झा आदि उपस्थित थे।

सार्वदेशिक आर्य वीरांगना दल का शिविर

राष्ट्रीय वीरांगना शिविर 3 जून से 11 जून 2023 तक आर्य बाल भारती पब्लिक स्कूल पानीपत में साध्वी उत्तमायति जी की अध्यक्षता में आयोजित किया जा रहा है।

इच्छुक बालिकाएं शीघ्र संपर्क करें– मृदुला चौहान, संचालिका, सम्पर्क– 9810702762

दानदाताओं से अपीलः

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के कार्य व गतिविधियों में सहयोग करने हेतु खाता संख्या 10205148690 स्टेट बैंक आफ इण्डिया, घन्टाघर, दिल्ली–110007, आई. एफ. एस.कोड - SBIN0001280 पर सीधे भेज कर हमें फोन न. 9868051444 पर एस.एम.एस कर दें जिससे रसीद भेजी जा सके। अग्रिम धन्यवाद सहित।

– डा. अनिल आर्य

(पृष्ठ 1 का शेष)

पंडित जी गूढ़ से गूढ़ प्रश्न का उत्तर सरलता से देते थे।दार्शनिक गुत्थी उनके समक्ष गुत्थी ही न रहती। इस नवयुवक के एक वर्ष के कार्य एवं उपलब्धियाँ महापुरुषों में उच्च स्थान दिलवाने के लिए पर्याप्त हैं, आर्य समाज के संस्थापक महर्षि दयानंद सरस्वती के बाद प्रथम व्यक्ति थे जिन्होंने उनकी विचार धारा को आगे प्रचारित व प्रसारित किया। आज के युवाओं को उनका अनुसरण करना चाहिए। आर्य नेता माया प्रकाश त्यागी ने कहा कि ऐसे मनीषियों के कारण ही आर्य समाज का प्रचार प्रसार हुआ है। भजनोपदेशक ओमपाल शास्त्री, हरवीर सिंह, वीना वोहरा आदि ने ईश भक्ति के गीत सुनाये। प्रान्तीय अध्यक्ष आनंद प्रकाश आर्य ने कहा कि अद्भुत प्रतिभा के धनी पं.गुरुदत्त विद्यार्थी ने स्वामी अच्युता नंद गुरु को भी शिष्य बना लिया था, शिष्य–वैदिक संस्कृति की रक्षा के लिए पंडित गुरुदत्त विद्यार्थी जी ने आर्यसमाज में विद्वानों की जरूरत समझी। अतः गुरुदत्त विद्यार्थी जी ने स्वामी अच्युतानन्द को (जो नवीन वेदांती थे) आर्यसमाजी (आर्य सन्यासी) बनाने के लिए ठान लिया। इसके लिए गुरुदत्त जी उनके शिष्य बनकर उनके पास जाया करते थे। फिर क्या हुआदृसमय बदला गुरु शिष्य बन गया और शिष्य गुरु।स्वामी अच्युतानन्द कहा करते थे,"पण्डित गुरुदत्त विद्यार्थी का सच्चा प्रेम,अथाह योग्यता और गुण हमें आर्यसमाज में खींच लाया।" आचार्य गवेंद्र शास्त्री ने कहा कि किसी एक धुन के सिवा मनुष्य कोई बड़ा काम नहीं कर सकता। उसे योग विद्या प्राप्त करने की धुन थी। जब गुरुदत्तजी आठवीं कक्षा में पढ़ते थे, तभी से उन्हें पढ़ने व योग विद्या का शौक था, प्राणायाम का अभ्यास उन्होंने बचपन से ही आरम्भ कर दिया था। अजमेर में योगी महर्षि दयानन्द की मृत्यु को देखकर योग सीखने की इच्छा और भी अधिक भड़क उठी। आप अपने जीवन घटनाओं को लेखबद्ध करने और निरन्तर उन्नति करने के लिए डायरी लिखा करते थे। उनकी योगसाधना की इच्छा इतनी प्रबल हो गई कि आप प्रतिदिन प्राणायाम करने लगे। उनको दूसरी धुन थी वेदों का अर्थ समझने की। वेदों पर उनकी असीम श्रद्धा थी। वेदभाष्य का वह निरन्तर अनुशीलन करते थे। स्वामी सूर्य वेश जी, डॉ. राजकुमार आर्य आदि ने भी अपने विचार रखे। समारोह की अध्यक्षता प्रान्तीय अध्यक्ष आनंद प्रकाश आर्य ने की व मंच का कुशल संचालन केंद्रीय आर्य युवक परिषद उत्तर प्रदेश के प्रांतीय महामंत्री प्रवीण आर्य ने किया। समाज के मंत्री वेदव्यास ने सभी का आभार व्यक्त किया। आचार्य ब्रह्मदेव वेदालंकार ने कहा कि कि गुरुदत्त विद्यार्थी का संस्कृत से अद्वितीय लगाव ही युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। मुख्य रूप से कृष्ण कुमार यादव, यज्ञवीर चौहान, ममता चौहान, सुरेश आर्य, सौरभ गुप्ता, ज्ञानेन्द्र आर्य, नरेन्द्र पांचाल, वेद प्रकाश वोहरा, डा. प्रतिभा सिंघल, राम प्रकाश गुप्ता, देवेन्द्र गुप्ता,यशोवीर आर्य, वेद प्रकाश आर्य, रामकुमार आर्य आदि उपस्थित रहे।

जहां होता है भरपूर काम और प्रभु का गुणगान आर्य युवक परिषद् है उसका नाम

सम्पादकः **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिंटर्स**, 2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली–5 दूरभाष : 41548503 **मो.** : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी–176–177, कबीर बस्ती, दिल्ली–7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970